Shrimati Renu Chakravartty: Sir, question No. 1980 may be answered.

Mr. Speaker: Are there any other Members present who were not present when their questions were called?

Shri Kajrolkar: Question No. 1963, Sir.

Mr. Speaker: I will take up Question No. 1980 after 1963.

Jhansi Workshop

*1963. **Shri Kajrolkar:**
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a "Self-Improvement Trust" has been set up by Railway workers in the Jhansi Workshop of the Central Railway:

(b) whether it has been sponsored by Government;

(c) if not, whether it has received recognition or encouragement from Government;

(d) whether any tangible results have been shown in the direction of greater efficiency, morale, etc. by the members of the Trust; and

(e) if so, the steps Government propose to take to sponsor or encourage such Trusts in all departments of all the Railways?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan): (a) Yes.

(b) Yes.

(c) Do not arise.

(d) and (e). In May 1956, the Railway Administrations were advised by the Railway Board to organise "Self-Improvement Trust" in Workshops, Running Sheds and C&W Depots. It is too early to report on results. The question of introducing such a scheme in other departments on Railways will be considered after experience has been gained with the present scheme.

Shri Kajrolkar: Do these 'Trusts' receiveany financial aid from Government?

Shri Shahnawaz Khan: No great financial aid is required for starting this scheme. It will be initiated in the existing railway workshops and running sheds and I do not think any very great expenditure is involved. In case there is, the General Managers of the Railways concerned are empowered to meet that xpenditure.

बिजुरी-बरुवाडीह लाइन

*१६६४. **श्री जांगड़े** : क्या रेलवे मंत्री दिनांक १८ मई, १९५६ के तारांकित प्रश्न संख्या २३५६ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिजुरी–बरुवाडीह रेलवे लाइन द्वितीय पंच वर्षीय योजना काल में ही तैयार की जायेंगी; और

(ख) उक्त रेलवे लाइन पर १५४ लाख रुपये के व्यय के इन रेल-कार्यों का द्वितीय पंच वर्षीय योजना में क्या उपयोग होगा ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री के सभा सचिव (श्री शाहनवाज खां) : (क) जी, नहीं। दूसरी पंच वर्षीय योजना में सिर्फ बिजुरी से करोंजी के बीच लाइन बनाने का विचार है ।

(ख) इस योजना के सिर्फ बरुवाडीह-सरनाडीह सेक्शन पर काम हुआ था । इसे इस्तेमाल में लाने का अभी कोई विचार नहीं है ।

श्री जांगड़े : क्या मैं जान सकता हूं कि बिजुरी-बरुवाडीह लाइन पर द्वितीय पंच वर्षीय योजना काल में १५४ लाख रुपये खर्च होने हैं, तो क्या सरकार के पास ऐसी कोई योजना है कि जो अभी बिजुरी से झिलमिली विश्रामपुर को रेलवे लाइन जाती है उस से इस का संम्पर्क स्थापित किया जायगा ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : माननीय सदस्य को इस का इतिहास पूरी तरह मालूम है और वे जानते हैं कि यह लाइन पुराने जमाने में बनी थी और काम जिधर से शुरू करना चाहिये था उस की उलटी तरफ से शुरू किया गया, इसलिये बड़ी कठिनाई हो रही है कि हम उस का ठीक इस्तेमाल कैसे करें लेकिन यह बिजुरी से तगनी तक लाइन बन सके, दूसरे पंचसाला प्लान में हम आगे विचार करेंगे कि इस हिस्से को बरुवाडीह, सरनाडीह से जोड़ सकते हैं या नहीं ।